विचार बिन्दु

यदि एक मनुष्य की उन्नति होती है तो सारे संसार की उन्नति होती है और अगर एक व्यक्ति का पतन होता है तो सारे संसार का पतन होता है।

–महात्मा गाँधी

सुप्रीम कोर्ट की तीसरी आँख

भारत की सुप्रीम कोर्ट को अपरिमित अधिकार हैं। न्याय करने के लिये सुप्रीम कोर्ट को किसी भी प्रकार का आदेश पारित करने का अधिकार है, जिसकी प्रवर्तनशीलता देश के किसी भी भाग में की जा सकती है। अद्भुत है हमारा संविधान और 'सत्यमेव जयते' का उद्घोष करने वाला न्याय मंदिर सुप्रीम कोर्ट है, जो देश के नागरिकों को सोशल, आर्थिक व राजनैतिक न्याय देने के हेतु कटिबद्ध है। सुप्रीम कोर्ट की जहाँ अपील कोर्ट के अधिकार है, वहीं कई मामलों में ऑरिजनल जूरिशडिक्शन प्राप्त है। अनुच्छेद 141 के अनुसार सुप्रीम कोर्ट का आदेश देश की सभी अदालतों पर मान्य होगा। अनुच्छेद 142 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को प्रवर्तनशील माना गया है। अनुच्छेद 143 मे राष्ट्रपति को सलाह करने का भी दायित्व है तथा अनुच्छेद 144 के अनुसार देश की सभी सिविल व जुडीशियल ऑथोरिटी को कोर्ट को सहयोग देने का दायित्व है। हमारी सुप्रीम कोर्ट को एक ओर न्याय करने का अधिकार है और दूसरी ओर देश के नागरिकों को न्याय हेतु निर्देश अथवा सुझाव देने का अधिकार है अर्थात् जब तक कानून इस हेतु न बन जावे आदेश कानूनवत लागू रहेगा।

हमारी न्याय प्रणाली में यह माना गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को न्याय मिले, और कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न हो। साथ ही न्याय देने के कमिटमेण्ट को लेकर न्यायालय में जनहित याचिकाओं की बाढ आ रही है। सुप्रीम कोर्ट समय समय पर गाइड लाइन्स भी जारी करता है। यह कार्य सुप्रीम कोर्ट का विधायिका है। सुप्रीम कोर्ट न्याय हित में एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय के मामलों का अन्तरण भी करता है। इस प्रकार सुप्रीम कोर्ट समय समय पर अपने तीनों रूप अर्थात् न्यायपालिका, कार्यपालिका तथा विधायिका का अभिव्यक्त करता है।

'शिव' जब रौद्र रूप धारण करते हैं तो वह विनाश का सूचक है, इसी को शिव की तीसरी आँख कहा जाता है, किन्तु भारतीय संविधान के अनुसार तीसरी आँख माननीय न्यायालय की जब खुलती है तब समस्या का निदान करने के लिये कोई कानून नहीं होता वहां न्यायालय गाइड लाइन जारी करता है जो कानून की तरह प्रभावित होती है यहाँ सुप्रीम कोर्ट की तीसरी आँख समता, शान्ति, विकास का सूचक है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने जो सजेशन (सुझाव) दिये हैं, उन पर उचित कार्यवाही होना आवश्यक है।

कुछ दिनों पूर्व माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यूपी सरकार को कहा था, 'रिहा करो' यदि कैदी ने Remission Policy की पूरी पालना की हो। इससे बहुत पहले इसी न्यायालय ने विशाखा के केस में महिलाओं की कार्य स्थल पर सुरक्षा प्रदान करने के हेतु गाइड लाइन जारी कर विधायिका का कार्य किया। जस्टिस बी.वी. नागरथना ने कुछ 2 दिन पूर्व ही कहा था, The rule of law is greatly dependent on the independence of the judiciary.

कई मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर भी पिटीशन निरस्त की हैं कि मामला Judicial determination का नहीं है। जैसे एक पिटीशन में कहा गया कि ''जाँच कराई जावे कि ताजमहल क्या वास्तव में शाहजहाँ ने बनाया था''। इसी प्रकार न्यू पार्लियामेण्ट की बिल्डिंग पर तीन शेरों की मूर्ति स्टेट एम्बलेम ऑफ इण्डिया अधिनियम एक्ट 2005 के अनुसार नहीं है, का केस है। कहने का अभिप्राय है कि सुप्रीम कोर्ट का न्याय का दायरा बढ रहा है, जिसका अर्थ है कि सुप्रीम कोर्ट पर जनता का विश्वास बढ रहा है।

माननीय सुप्रीम कोर्ट ने न्याय करने के अपने दायित्व को निभाया है, अब बारी सरकार की है जो सुझाव के अनुसार आचरण कर, जेलों में सड रहे, नारकीय जीवन जी रहे कैदियों को उनका मानव अधिकार दिला सकें, जिसका अर्थ है गरिमा मय जीने का अधिकार उन्हें मिले। जेल सुधार घर हैं, और मानवता के नाते उन्हें (कैदियों) को गरिमा के साथ जीने का अधिकार है साथ ही यह उनका मानव अधिकार भी है।

देश में जेलों की दुर्दशा पर कई पिटीशन्स सुप्रीम कोर्ट व हाई कोर्ट्स् में पेश की गई हैं, किन्तु कैदियों की दुर्दशा में कोई सुधार नहीं हुआ है। दिनांक 29 सितम्बर 2022 को गौतम नवलखा बनाम नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेन्सी (डायरी नं.23064-20) के केस में बहुत ही प्रक्टिकल, जन हितकारी, कैदियों को वरदान जैसा सुझाव माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दिया है। केस की सुनवाई का विषय था ''जेलों में सुधार हो, और जस्टिस के.एम. जोसफ ने एक बहुत अच्छा सुझाव दिया और जस्टिस रॉय ने कहा, जेलों की दुर्दशा देखनी हो तो जेलों में जाकर वस्तु स्थिति क्या है, इसे आंखों से देखा जा सकता है। जेलों की स्थिति में सुधार हो और कैदियों को भी गरिमा मय जीने का अधिकार प्राप्त हो। उनके जीवन शैली में सुधार हो।

माननीय खण्डपीठ ने सभी का ध्यान इस ओर खींचा कि देश में कैदियों की रहने व खाने आदि की व्यवस्था अत्यन्त ही निन्दनीय है। देश में सभी राज्यों में अस्पतालों और स्कूलों में जन सहभागिता की बात देखने में आती है, किन्तु जेलों की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता। जेलों के बाबत कोई प्राथमिकता किसी की नहीं है। जबकि यूरोप में Concept of Private Responsibility है। जस्टिस जोसफ ने कहा सीएसआर से प्राइवेट जेलों का निर्माण हो सकता है। सीएसआर इन्कम टैक्स देने वालों का क्या कर्त्तव्य है। सीएसआर से प्राइवेट जेलों को फण्डिंग किया जा सकता है। माननीय सुप्रीम कोर्ट का सुझाव वन्दनीय है, स्वभाविक है और न्याय संगत है। बडे-बडे कॉरपोरेट्स से सहायता ली जावे कि वे Corporate Social Responsibility से जेलों का निर्माण करें। जस्टिस जोसफ ने तो यहां तक कहा कि ऐसे कॉरपोरेट्स जो प्राइवेट जेल बनाने में सहयोग देवें उन्हें टैक्स की अदायगी में छूट भी दी जा सकती है। जस्टिस रॉय ने इस नये कन्सेप्ट को Anticipatory की संज्ञा देकर प्राइवेट जेल का समर्थन किया है।

केस के तथ्य हैं कि जेलों की दुर्दशा की सुनवाई हो रही थी, इस प्रकार है कि गौतम नवलखा नामक कैदी ने जो तलोजा जेल में बंदी था स्वास्थ्य के कारण हाउस अरेस्ट की प्रार्थना की थी। कोर्ट ने उसे KRM हॉस्पिटल मुम्बई भेजने का आदेश दिया जहां वह Colonoscopy o Skin Allergy का इलाज करा सकता है। केस में कपिल सिब्बल सीनियर एडवोकेट ने कोर्ट का ध्यान आकर्षित किया था कि जेलों में कैदियों की भीड है। जेल के नियमों के अनुसार Undertrial o Convict को साथ साथ नहीं रखा जा सकता है, किन्तु जेल में दोनों साथ साथ बंद हैं कोर्ट ने अपना प्रारंभिक रियक्शन दिया कि ऐसा मालूम पडता है जेल में कैदी नहीं जानवर हैं। इसके अतिरिक्त जेलों में Forced Homobexuality के मामले हैं और कई अन्य अपराधों को जेलों का दौरा करेंगे तो स्वयं देख सकते हैं। इन कारणों से कैदियों में सरकार के प्रति बदले की भावना पैदा होती है।

कोर्ट ने कहा कि स्वेडन व नार्वे में कैदियों को सब प्रकार की सुविधायें सुन्दर जेलों में रिसोर्ट जैसी दी जाती है, ''हम यह भी मानते हैं कि भारत में ये सुविधायें देना संभव नहीं है। जहां साथ लगे हुये बाथरूम हों टीवी आदि हों''। सुनने के बाद कोर्ट की आगामी तारीख 21 अक्टूबर 2022 नियत की गई। सुनवाई अधूरी है।

प्रश्न है क्या CSR Funded प्राइवेट जेल का सुझाव जेल सुधारों के बाबत दिया जाना एक प्रेक्टिकल सुझाव है जिसे केन्द्र सरकार को भेजा जाना चाहिए। इसी प्रकार का सुझाव प्रत्येक राज्य के हाई कोर्ट्स को भी जेलों के सुधार के संबंध में भेजा जाना चाहिए। माननीय न्यायालय ने अपनी दया, करूणा भाव की शालीनता की शक्ति का प्रयोग कर अपनी तीसरी आँख खोलकर सोलिसिटर जनरल से Request तक की कि वे समस्या का हल निकालने में सहयोग देने के लिये समय निकालें। यह महत्वूपर्ण सुझाव ही सुप्रीम कोर्ट की तीसरी आँख है जो खुल चुकी है, और जब तक समस्या का हल नहीं निकलेगा, तब तक खुली रहेगी, यदि यह कार्य पूरा नहीं हुआ तो शिव की तीसरी आँख के समान यह सरकार पर भारी पडेगी। सुझाव प्रेक्टिकल है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने न्याय करने के अपने दायित्व को निभाया है, अब बारी सरकार की है जो सुझाव के अनुसार आचरण कर, जेलों में सड रहे, नारकीय जीवन जी रहे कैदियों को उनका मानव अधिकार दिला सकें, जिसका अर्थ है गरिमा मय जीने का अधिकार उन्हें मिले। जेल सुधार घर हैं, और मानवता के नाते उन्हें (कैदियों) को गरिमा के साथ जीने का अधिकार है साथ ही यह उनका मानव अधिकार भी है।

''वैष्णव जन तो तेने कहिये जो पीड पराई जाने रे''।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

रिवैन्ज शॉपिंग से मिल रहा इकॉनमी को बूस्ट

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

गुस्सा या यों कहें कि बदला भी इकोनोमी को बूस्ट कर सकता है इसका जीता जागता उदाहरण है कोरोना के साये से निकलने के बाद खरीदारी की आजादी का। कोरोना ने लोगों की सोच ही बदल ड़ाली थी और लोग भविष्य के लिए इस कदर चिंतित होने लगे थे कि भविष्य के लिए बचत और बचत ही एक मात्र ध्येय हो गया था। लोगों का ध्यान केवल बचत और खाने-पीने की सामग्री का संग्रहण इन दो पर ही खासा ध्यान हो गया था। इसका कारण भी साफ था कि कोरोना के दौर में कब घर में कैद होना पडे इसका अंदाज ही नहीं लगाया जा सकता था। ऐसे में लोग समुचित खाद्य सामग्री घर पर रखने पर जोर देने लगे तो आवश्यक सामग्री के अलावा अन्य चीजों पर ध्यान देना ही लगभग छोड दिया था। सालाना मोबाइल बदलने की आदत लोगों की छूटी तो लोगों ने कपडों आदि की खरीदारी से भी मुहं मोड लिया। यहां तक कि कोरोना लाकडाउन के बाद भी लोगों ने मॉल्स में जाना, सिनेमाघरों की और रुख करना, होटल या बाहर खाने, घूमने-फिरने पर भी ब्रेक लगा दिया जो अब धीरे -धीरे बदलने लगा है। जब घर पर ही रहना है तो काये को कपडे खरीदें और काये को अन्य वस्तुएं। ऐसें में इकोनेामी पर भी बुरा असर पडना लाजिमी था। पर कोरोना के असर के कम होते होते लोगों में रिवेंज शॉपिंग का इस कदर शौक चढा है कि पूरी इकोनोमी को ही बूस्ट मिलने लगा है तो दूसरी और लोगों में बचत की आदत को पांच साल पीछे धकेल दिया है। रिवेंज शॉपिंग को इस तरह से समझा जा सकता है कि देश में चौपहिया वाहनों और उसमें भी खासतौर से एसयूवी सेगमेंट के वाहनों की खरीदारी को बूम मिला है तो पर्यटन खासतौर से देशी पर्यटन को बढावा मिल रहा है। घर से बाहर खाना, फैशनेवल परिधानों की खरीदारी, गेजेट्स की खरीदारी तेजी से बढ रही है । देखा जाएं तो सभी सेक्टर में बूम देखने को मिल रहा है। अब कहने को ही रह गया है कि बाजार में दम नहीं है नहीं तो वास्तविकता तो यह है कि बाजार गुलजार होने लगे हैं।

रिवेंज शॉपिंग को यों समझा जा सकता है कि इंग्लैण्ड की प्रिसेज डायना को जब यह पता चला कि प्रिंस विलियम की जिंदगी में दूसरी औरत है तो उन्होंने उसी दिन ब्लैक ऑफ सोल्डर ड्रेस पहनी जो आज भी लोगों की जेहन में हैं। जिस तरह से बाडे में बंद जानवरों को बाडे से निकाला जाता है तो वह दौड लगा देते हैं उसी तरह से कोरोना त्रासदी से मुक्ति का जश्न लोग रिवेंज शॉपिंग के माध्यम से मनाने लगे हैं।

■ बाजार में हर वस्तु के दामों में बढ़ोतरी के बाद भी बूम नजर आ रहा है

दरअसल जब लोगों के पास पैसा आता है तो बाजार में बूम आता ही है। इकोनोमी के लिए यह जरुरी भी है। मजे की बात यह है कि यह सब कुछ तब है जब बाजार में हर वस्तुओं के दामों में बढोतरी हो रही है। कोरोना काल में जो लोगों की सोच विकसित हुई थी अब उसमें तेजी से बदलाव आया है। कोरोना काल में लोगों का सोच यही था कि दो पैसा है तो अड़ी-बड़ी वक्त में काम आयेगा वहीं अब लोगों की सोच में यह बदलाव देखने को मिल रहा है कि जिंदगी का दो घड़ी का भरोसा नहीं है तो फिर काहे की बचत। घूमों फिरों और मौज करों की भावना आने लगी हैं।

वैसे भी अब बाजार विशेषज्ञों की त्यौहारी खरीदारी पर नजर है। जिस तरह से मार्केट रिएक्शनस आने लगे हैं उससे सभी क्षेत्र में अच्छी खरीदारी के संकेत आने लगे है। जानकारों की माने तो दीपावली के त्यौहारी सीजन में 125 करोड़ रु. के कारोबार की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। पिछले दिनों में रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया की हालिया रिपोर्ट को देखें तो भारतीयों में घरेलू बचत की जो आदत थी वह घट कर पिछले पांच वर्ष के निचले स्तर पर आ गई है जबकि कोरोना काल में घरेलू बचत का आंकड़ा जीडीपी की 21 फीसदी तक पहुंच गया था। देखा जाए तो ऋण कृत्वा घृतम पिवेत की संस्कृति विकसित हुई है और यही कारण है कि छोटे लोन से लेकर ऋण सेगमेंट में अच्छी खासा बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। हांलाकि अब ब्याज दरों में बढ़ोतरी होने लगी है इससे ऋणियों पर ईएमआई का बोझ बढ़ेगा।

सर्राफा बाजार में तेजी देखने को मिल रहा है तो इलेक्ट्रोनिक उद्योग भी गति पकड़ रहा है। चौपहिया और दुपहिया वाहनों का बाजार तो पूरी तरह से गुलजार दिखाई दे रहा है। जानकारों की माने तेा रिवंज शॉपिंग का पूरा असर इस त्यौहारी सीजन में दिखाई देगा। लाख महंगाई की चर्चा हो रही हो पर यह साफ है कि इकोनोमी और खासतौर से घरेलू मार्केट को बूम मिलना साफ दिखाई दे रहा है।

रिवेंज शॉपिंग का असर हमारे यहां ही नहीं अपितु दुनिया के अन्य देशों मे भी साफ दिखाई दे रहा है। हमारे देश में यह नया चलन है। जिस तरह से आक्रोश दबा रहता है तो उसका असर दिखाई देता है उसी तरह से रिवेंज शॉपिंग का असर दिखाई देगा और यही भारतीय इकोनोमी की चहुंमुखी बहार का कारण बनेगा। इसमें कोई दो राय नहीं दिखाई देती है। रिवेंज शॉपिंग का असर एमएसएमई से लेकर घरेलू दस्तकारों, शिल्पकारों और निर्माताओं तक को मिलेगा। हांलाकि अब ई मार्केटिंग की और तेजी से रुझान बढता जा रहा है। ऐसे में कोरोना के बाद रिवेंज शॉपिंग को भारतीय घरेलू इकोनोमी के लिए शुभ संकेत के रुप में ही देखा जाना चाहिए।

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
वरिष्ठ लेखक

मसूरिया पहाड़ी पर बाल मेले के साथ 'रिफ' शुरू

रिफ महोत्सव में भारत सहित 9 देशों के 250 से अधिक म्यूजिशियन एवं कलाकार भाग लेंगे

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर शहर में गुरूवार से राजस्थान इंटरनेशनल फोक फेस्टिवल (रिफ) का आयोजन शुरू हुआ। सुबह मसूरिया पहाड़ी पर स्कूली बच्चों को एक तरफ कठपुतली के करतब दिखाएं गए तो उन्हें कठपुतली के बारे भी जानकारी दी गई। साथ ही लोक कलाकारों ने अपने गीतों से देशी विदेशी पर्यटकों का ध्यान अपनी तरफ खींचने के साथ थिरकने पर मजबूर किया।

■ लोक धुनों पर थिरके देशी -विदेशी पर्यटक

मेहरानगढ़ दुर्ग में शरद पूर्णिमा को होने वाले इस महोत्सव में देसी विदेशी कलाकार हिस्सा लेंगे। मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट की ओर से मेहरानगढ़ फोर्ट में आयोजित इस महोत्सव में फोक म्यूजिक व हैरिटेज का फ्यूजन टूरिस्ट को आकर्षित करता है।

'रिफ' में मसूरिया पहाड़ी पर स्कूली बच्चों कों कलाकारों ने करतब दिखाये।

रिफ महोत्सव में भारत सहित 9 देशों के 250 से अधिक म्यूजिशियन एवं कलाकार संगीत लहरियों को बिखेरेंगे । 6 से 10 अक्टूबर तक जोधपुर रिफ के 13वें संस्करण का आयोजन मेहरानगढ़ दुर्ग व जसवन्त थड़ा में शुरू हुआ। जोधपुर रिफ कलाकारों को अन्तर्राष्ट्रीय मंच व अवसर प्रदान करने के साथ-साथ प्रोत्साहन और आजीविका भी प्रदान करवा रहा है, जिससे हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रचार और प्रसार दुनियाभर में हो रहा है। इस बार प्रातःकालीन संगीत कार्यक्रम में खासी संगीतकार मुख्य आकर्षण होंगे और पहली बार इंडी संगीतकार बावरी बसंती और हरप्रीतसिंह अपनी प्रस्तुति देंगे । आज सुबह फेस्टिवल की शुरुआत वीर दुर्गादास स्मारक स्थल मसूरिया पहाड़ी पर हुई। स्टूडेंट्स के लिए बाल मेले का आयोजन हुआ। शाम को 7.30 बजे से जसवन्तथड़ा पर ओपनिंग सिटी कन्सर्ट का आयोजन किया गया।

रिफ डॉन में मेघालय के फोक संगीत खासी की होगी प्रस्तुति होगी। इसके तहत राजस्थान के मेघवाल समुदाय के संगीत कलाकारों के अलावा मध्यप्रदेश की मालवी लोक शैली में सबद और निगुण भजन और कबीर वाणी और मेघालय के पारंम्परिक संगीत के आयोजन होगा।

नाथद्वारा में विश्व की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा का लोकार्पण

369 फीट की इस प्रतिमा ''विश्वास स्वरूपम'' का लोकार्पण महोत्सव 29 अक्टूबर से आरंभ होगा

उदयपुर / नाथद्वारा, (कासं)। राजस्थान के संदर्भ में एक ओर नया अध्याय विश्व पटल पर अपना इतिहास लिखने जा रहा है। राजस्थान के राजसमंद जिले के नाथद्वारा में श्रीनाथ जी की पावन धरा पर 369 फीट की विश्व की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा विश्वास स्वरूपम का लोकार्पण महोत्सव 29 अक्टूबर से 6 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है।

■ 20 किलोमीटर दूर से ही नजर आने लगती है प्रतिमा

संत कृपा सनातन संस्थान के ट्रस्टी मदन पालीवाल ने बताया की महादेव के इस महा महोत्सव में 9 दिन तक धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक आयोजनों की धूम रहेगी, मुरारी बापू की 9 दिवसीय रामकथा इस महोत्सव को चार चांद लगाएगी ओर इसके देश दुनिया से आये लाखों श्रोता साक्षी बनेंगे।

मदन पालीवाल ने वर्षों पूर्व श्रीजी की नगरी में भगवान शिव की अल्लड़ मुद्रा में विश्व की सबसे बड़ी शिव मूर्ति बनवाने का ड्रीम प्रोजेक्ट तैयार किया था यह अब तैयार हो कर अपनी पूर्णता ले चुका है। श्रीजी की

नाथद्वारा स्थित श्रीनाथ जी में 369 फीट की विश्व की सबसे ऊंची शिव प्रतिमा 'विश्वास स्वरूपम'।

नगरी में स्थापित भगवान शिव की यह अद्भुत प्रतिमा देश और राजस्थान के पर्यटन में एक नया आयाम स्थापित करेगी। 51 बीघा की पहाडी पर बनी इस प्रतिमा में भगवान शिव ध्यान एवं अल्लड़ की मुद्रा में विराजित हैं जो 20 किलोमीटर दूर से ही नजर आने लग जाते हैं ।

369 फीट ऊंची यह प्रतिमा विश्व की अकेली प्रतिमा होगी जिसमें लिफ्ट, सीढ यिां, श्रद्धालुओं के लिए हॉल बनाया गया है। प्रतिमा के अंदर सबसे ऊपरी हिस्से में जाने के लिए 4 लिफ्ट और तीन सीढ़ियां बनी हैं। प्रतिमा के निर्माण में 10 वर्षों का समय और 3 हजार॰ टन स्टील और लोहा, 2.5 लाख क्यूबिक टन कंक्रीट और रेत का इस्तेमाल हुआ है प्रतिमा का निर्माण 250 वर्षों की स्थिरता को ध्यानगत रखते हए किया गया है। 250 किमी रफ्तार से चलने वाली हवाएं भी मूर्ति को प्रभावित नहीं करेगी। इस प्रतिमा की डिजाइन का विंड टनल टेस्ट (ऊंचाई पर हवा) आस्ट्रेलिया में हुआ है। बरसात और धूप से बचाने के लिए इस पर जिंक की कोटिंग कर कॉपर कलर किया गया, प्रतिमा को तत पदम् संस्थान ने बनवाया है।

प्रतिमा स्थल पर पर्यटकों की सुविधाओं ओर मनोरंजन के लिये बंजी जम्पिंग का निर्माण किया गया है यह ऋषिकेश के बाद दूसरी सबसे बडी बंजी जम्पिंग होगी जिसका लुफ्त उठाने के लिए देश विदेश के पर्यटक यहां आएंगे। साथ ही फुटकोर्ट, गेम जोन, जिप लाइन, गो कार्टिंग,एडवेंचर पार्क, जंगल केफे का निर्माण भी किया गया है। जहाँ पर्यटक दिन भर यहां इस का लुफ्त उठा सकेंगे।

राशिफल

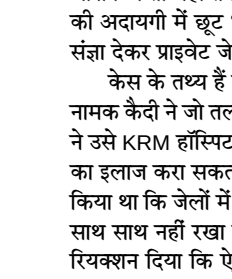

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 7 अक्टूबर, 2022

आश्विनी मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, शतभिषा नक्षत्र सांय 6:17 तक, गंड योग रात्रि 11:30 तक, बालव करण प्रातः 7:27 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कन्या, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग सांय 6:17 से आरम्भ होगा। आज प्रदोष व्रत, पंचक है और त्रयोदशी तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 7:53 तक, लाभ-अमृत 7:53 से 10:47 तक, शुभ 12:15 से 1:42 तक, चर 4:36 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:26, सूर्यास्त 6:04

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण परामर्श मिलेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

धनु

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्यों में में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन

अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।